

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—जुन्ह 3—उप-जुन्ह (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho. 576]

नई बिल्ली, बृहस्पतिबार, दिसम्बर 22, 1983/पौष 1, 1905

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 22, 1983/PAUSA 1, 1905

इस भाग में भिन्त पृथ्ठ संस्था की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय (ओद्योगिक विकास विभाग)

अविद्य

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1983

का० आ० 926 (अ)/18कक/आई० की० आर० ए०/33.—भारत सरकार के उद्योग मलालय (श्रीयोगिक विकास विभाग) के श्रावेश सं० का० श्रा० 852 (अ) 18कक/शाई० डां० श्रार० ए०/77, तारीख 23 दिसम्बर, 1977, (जिस इसमें इसके परचान् उक्त बादेण कहा गया है) द्वारा मैससे वेशमल स्वर मेल्युफैक्न्र्स लिमिटेड, कलकसा नामक श्रीधोगिक उपक्रम का प्रयन्ध श्रहण पान्य विषे की श्रविध के लिए. 22 विसम्बर, 1982 नक, जिसमें यह नामाव भी सम्मिलित है, किया गया था ;

भीर भारत सरकार के शावेण सं० का० भा० $857(\pi)/18$ कर भाई० डी० भार० $\pi/82$, तारीख 22 विसम्बर, 1982 तथा सं० बा० मा० 458 (प्र)/18कर्मभाई० डी० भार० ए०/83, तारीख 20 ज्त, 1983 द्वारा उम्रत आवेण को 22 विसम्बर, 1983 तक की और भवधि के लिए जिससे यह नार्यक भी स्टिमिन्ट है जिस्तारित किया गया था;

श्रार केन्द्रीय मरकार की यह राय है कि लोकहित में यह सभीधीन हैं कि उक्त धादेश की श्रवृधि 30 जून, 1984 तक, जिसमें यह गारीख भी सम्मिलित है, की और श्रवृधि के किंगा बना रहना चाहिए ; श्रतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक के परन्तुक द्वारा प्रदत्त णिक्त्यों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त श्रादेण 30 जुन, 1984 तक की श्रानिष्क्त श्रवश्चि के लिए, जिसमें यह नारीख भी सम्मि-सित है, प्रभावी बना रहेगा।

फा॰ सं॰ 2/44/77--सी॰ य॰ एस॰]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 22nd December, 1983.

S.O. 926(E)|18AA|IDRA|83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 852(E)|18AA|IDRA|77, dated the 23rd December, 1977 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs. National Rubber Manufacturers Limited, Calcutta, has been taken over for a period of five years upto and inclusive of the 22nd December, 1982;

प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा, 30 जून, 1984 तक की और अवधि के लिये जारीं रखा जाये,

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 30 जून, 1984 तक जिसमें यह तारीख भी सिम्मिलित है की और अवधि के लिये प्रभावी रहेगा ।

[फा॰सं॰ 2(1/4)/80-सीं॰यू॰एस॰] ए०पी॰ संरवन, संयुक्त सजिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development) New Delhi, the 29th December, 1983

ORDER

S.O. 937(E)|18AA|IDRA|83.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 529 (E) 18AA IDRA 74, dated the 6th September, 1974 as modified by the Order No. S.O. 134(E) 18AA|IDRA|79, dated the 13th March, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), Central Government had authorised the Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal, now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal (hereinafter referred to as the said authorised person) to take over the management of Messrs India Belting and Cotton Mills Limited, Serampore, West Bengal (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of five years from the 6th September, 1974;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of five years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1983 (vide orders of the Government of India in the Ministry of dustry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 512(E) 18AA IDRA 79, dated the 4th 749(E)|18AA|IDRA|80, September, 1979 S.O. dated the 5th September, 1980, S.O. 684(E) 18AA IDRA 81, dated the 4th September, 1981, 125(E)|18AA|IDRA|82, dated March, 1982, S.O. 648(E)|18AA|IDRA|82, dated 4th September, 1982, S.O. 158(E) 18AA IDRA 83, dated the 4th March, 1983, and S.O. 386(E)|18AA|IDRA|83, dated the 31st May, 1983:

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said authorised person should continue for further period upto 30th June, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industrial (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 30th June, 1984.

[File No. 2(14)|80-CUS] A. P. SARWAN, Jt. Secy.